हिमालयन इकोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एंड ग्रासरूट इनहेन्समेंट (हेरिटेज)

स्व. बीना पालीवाल मेमोरियल फेलोशिप

हिमालयन इकोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एंड ग्रासरूट इनहेन्समेंट यानी हेरिटेज उत्तराखंड समेत हिमालयी राज्यों की संस्कृति, पारिस्थितिकी, लोककलाओं, लोकपरंपराओं और लोकविरासतों के संरक्षण तथा संवर्द्धन की प्रेरणा के साथ स्थापित किया गया है। संस्थान की अवधारणा हिमालयी पर्वतीय क्षेत्रों के समग्र तथा सतत विकास की है, जिसके लिये संस्थान की ओर से लोकपरंपराओं–लोकविरासतों तथा लोककलाओं व पारंपरिक रीतियों–विधाओं पर शोधकार्यों को प्रोत्साहित करने का भी लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

उत्तराखंड और हिमालय को समर्पित शोधकार्यों के लिये इच्छुक छात्राओं को प्रोत्साहित करने एवं प्रेरणा देने के उद्देश्य के साथ हेरिटेज **'स्व. बीना पालीवाल मेमोरियल फेलोशिप'** प्रारंभ कर रहा है। फेलोशिप के जरिये उन छात्राओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी, जो हिमालयी राज्यों की परंपराओं तथा सतत–समग्र विकास की संभावनाओं पर शोधकार्य करने की इच्छुक हैं।

योजनाः फेलोशिप का चयन वार्षिक आधार पर किया जायेगा, यानी **प्रतिवर्ष एक छात्रा का चयन** फेलोशिप के लिये किया जायेगा। शोध के सफल निष्पादन पर संस्थान की ओर से शोधार्थी को प्रमाणपत्र एवं सम्मान दिया जायेगा।

आवेदन योग्यताः फेलोशिप का प्रावधान **बीपीएल** परिवार से आने वाली उन छात्राओं के लिये किया गया है, जो अपनी अकादमिक यात्रा पूर्ण करने के साथ शोध के माध्यम से हिमालय के संरक्षण–संवर्द्धन, विकास के महती लक्ष्य में योगदान करने की इच्छुक हैं। फेलोशिप आवेदन के लिये **शैक्षिक योग्यता परास्नातक यानी एमए** रहेगी। **एमए अंतिम वर्ष की छात्राएं भी इस फेलोशिप के लिये आवेदन कर सकती हैं**, ताकि वे हिमालयी क्षेत्रों के प्रति अपनी ललक को धरातल पर उतार पाने में सफल हो सकें।

फेलोशिप राशिः स्व. बीना पालीवाल मेमोरियल फेलोशिप के तहत शोधार्थी को **एक वर्ष की अवधि के लिये 60 हजार रुपये** की आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी। यह राशि **पांच हजार रुपये की मासिक किस्त** के रूप में 12 महीनों तक प्रदान की जायेगी।

आवेदनः हेरिटेज की ओर से **प्रतिवर्ष जुलाई में स्व. बीना पालीवाल मेमोरियल फेलोशिप** के लिये आवेदन मांगे जायेंगे। इसके लिये संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट समेत विभिन्न मीडिया माध्यमों पर भी विज्ञप्ति निकाली जायेगी।

चयन प्रक्रिया: फेलोशिप के लिये आने वाले आवेदनों से उपयुक्त शोधार्थी का चयन **संस्थान की विशेषज्ञ स्क्रीनिंग कमेटी** करेगी। कमेटी का गठन संस्थान की गवर्निंग बॉडी के अनुमोदन पर किया जायेगा। यह कमेटी संस्थान की ओर से फेलोशिप के निर्धारित मानदंडों को ध्यान में रखते हुये आवेदकों का चयन करेगी। चयनित शोधार्थी को फोन, मेल, पत्र द्वारा चयन की औपचारिक सूचना उपलब्ध कराने के साथ संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट पर भी इसकी जानकारी दी जायेगी।

शोध विषय: हेरिटेज के अंतर्गत किये जाने वाले **शोधकार्य का विषय अनिवार्यतः उत्तराखंड या/और हिमालयी विषयों, मुद्दों पर केंद्रित** होना चाहिये। शोधार्थी को अपने आवेदन के साथ चयनित शोध के विषय की संक्षिप्त जानकारी भी देनी होगी। शोधार्थी का चयन होने की स्थिति में हेरिटेज की चयन कमेटी शोध विषय को और अधिक परिष्कृत एवं आवश्यकतानुसार परिवर्तन कर सकती है। इस परिवर्तन का लक्ष्य शोधकार्य को हेरिटेज की मूल भावना के अनुरूप हिमालयी सरोकारों के प्रति समर्पित करना होगा, ताकि इसके परिणामों के माध्यम से शोधार्थी और संस्थान हिमालयी संवेदनाओं को स्पष्टतः प्रदर्शित कर सकें।

समयावधि: फेलोशिप प्राप्त करने वाली शोधार्थी के लिये **शोधकार्य पूर्ण करने का समय एक वर्ष रहेगा।** शोधार्थी को निर्धारित अवधि में शोध पूर्ण करना होगा। इसमें असफल रहने पर शोधार्थी का संस्थान में पंजीकरण स्वतः निरस्त माना जायेगा, साथ ही फेलोशिप की राशि वापस लेने के संबंध में भी संस्थान की विशेषज्ञ कमेटी निर्णय ले सकती है।

मूल्यांकन: संस्थान की ओर से गठित **विशेषज्ञ कमेटी शोधार्थी द्वारा किये जाने वाले शोधकार्य का मूल्यांकन करती रहेगी।** शोधार्थी को हर दो माह पर अपने शोधकार्य की प्रगति रिपोर्ट इस कमेटी के सम्मुख प्रस्तुत करनी होगी। शोधकार्य पूर्ण होने पर यह कमेटी ही शोध की सफलता का मूल्यांकन करेगी।

संबद्धता: स्व. बीना पालीवाल मेमोरियल फेलोशिप प्राप्त कर शोधकार्य करने वाली **शोधार्थी शोधकार्य की अवधि में हेरिटेज संस्थान के साथ संबद्ध** रहेंगी। इस अवधि में उन्हें संस्थान की विशेषज्ञ कमेटी के साथ ही हिमालयी विषयों के विशेषज्ञों का भी मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

शोध प्रकाशन: शोधार्थी द्वारा सफलतापूर्वक शोधकार्य पूर्ण करने पर संबंधित शोध को **हेरिटेज की आधिकारिक वेबसाइट** पर प्रकाशित किया जायेगा। संस्थान यह भी प्रयास करेगा कि संबंधित शोधकार्य को विभिन्न स्तरीय प्लेटफार्मों पर हेरिटेज की ओर से आधिकारिक तौर पर प्रस्तुत किया जाये। ऐसा करने का लक्ष्य शोधकार्य में सामने आने वाली हिमालयी राज्यों की चुनौतियों, संभावनाओं, अवसरों और जरूरतों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना होगा।